37	श्रीमती पोली दास	कलकत्ता
38	श्री सुनील बारन डे	कलकत्ता
39	श्री स० मन्डल	कलकत्ता
40	श्री असीम कुमार राय	बहराम पुर

Laying of Railway Lines between Parli-Bhir-Ahmednagar

348. SHRI GANGADHAR APPA BURANDE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are considering to lay railway lines between Parli-Bhir-Ahmednagar which will be a boon to the most backward Districts of Bhir and its development and at the same time it would provide a vital link between East and West Indian shores envisaged under Malsejghat railway project; and

(b) if so, when and the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No.

(b) Does not arise.

Memorandum by the Indian Oil Dealers Association of Kerala

349. SHRI SKARIAH THOMAS: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether the Indian Oil dealers Association of Kerala has submitted a memorandum to him regarding loss of Petroleum products to I.O.C. dealers due to hot filling at Cochin Refinery;

(b) if so, the main demands raised in the memorandum; and

(c) Government's reaction thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) Yes Sir.

(b) Their main demand is that the sales volume should be corrected to the ambient temperature to avoid the alleged losses to the dealers on this account.

(c) This demand is under active consideration.

उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों में विचाराधीन मामले

350. श्री उग्रसेन :
श्री लक्ष्मीनारायण नायक :
श्री पद्माबरण सामन्त सिंहार:
श्री समर गुह :
डा० वसन्त कुमार पंडित :
श्री रामजी लाल सुमन :
श्री राघवजी :

क्या विधि, न्याय और कम्पनी काय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उच्चतम न्यायालय और विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों में विचाराधीन मामलों के नवीनतम आंकड़े क्या हैं ;

(ख) ऐसे मामलों की संख्या क्या है जो क्रमशः गत् सात वर्षों, पांच वर्षों तथा दो वर्षों से विचाराधीन हैं ;

(ग) गत छः महीनों के दौरान न्यायालयों द्वारा कितने मामले निपटाये गये;

(घ) क्या सरकार विचाराधीन मामलों के शीघ्र निपटान के लिये न्यायालयों द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया को सरल बनाने के लिये कार्यवाही करने पर विचार कर रही है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री शान्ति भूषण) : (क) से (ग). (i) उच्चतम न्यायालय के संबंध में जो स्थिति 31-10-1977 को थी उसकी जानकारी विवरण I में दी गई हैं। [**ग्रन्थालय में रखा गया। देखिये** संख्या LT-1037/77]

(ii) उच्च न्यायालयों के संबंध में जो स्थिति 30-6-1977 को थी उसकी जानकारी विवरण II में दी गई है। [**ग्रन्थालय मे रखा गया । देखिये** संख्या एलटी-1037/77]

(घ) और (ङ). मामलों के संचालन के लिए उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया का विनियमन विभिन्न उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा बनाए गए नियमों द्वारा होता है। भारत के मुख्य न्यायाधिपति इस समस्या से अवगत हैं और वह उच्च न्यायालयों से परामर्श करके कुछ उपाय तैयार कर रहे हैं।

गोरखपुर कारखाने के कर्मचारियों द्वारा भूतपूर्व जनरल मैनेजर के विरुद्ध ज्ञापन

351. **श्री उग्रसैन** : क्या **पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें अगस्त, 1977 में उर्वरक कारखाना कर्मचारी संघ से कोई ज्ञापन प्राप्त हुआ है जिस में उर्वरक कारखाने (उत्तर प्रदेश) के भूतपूर्व जनरल मैनेजर और अन्य अधिकारियों के विरुद्ध शिकायतें की गई हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस में की गई मुख्य शिकायतें क्या हैं ; और

(ग) इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) से (ग). एफ० सी० आई० के गोरखपुर स्थित ऐएकक के भूतपूर्व महा-प्रबन्धक श्री के० एस० एल० आनन्द और अन्य अधिकारियों के विरुद्ध ठेका आदि देने में कुछ अनियमितताओं के बारे में 21 आरोपों का एक ज्ञापन फर्टिलाइजर कारखाना मजदूर संघ, गोरखपुर से प्राप्त हुआ था। एफ० सी० आई० द्वारा आरोपों की जांच की गई है और रिपोर्ट पर केन्द्रीय सतर्कता आयोग के परामर्श से विचार किया जा रहा है।

Cases pending against M/s. Maruti Limited, Gurgaon

352. SHRI SHYAM SUNDER GUPTA: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of cases pending against M/s. Maruti Limited, Gurgaon for violation of the provisions of the Companies Act;

(b) the number of such cases which are under investigations; and

(c) the number of such cases in which criminal proceedings are being initiated?